



झारखण्ड गजट

असाधारण अंक

झारखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

संख्या 47 राँची, मंगलवार 22 माघ 1935 (श०)
11 फरवरी, 2014 (ई०)

स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग

अधिसूचना

30 जनवरी, 2014

विषय:- स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, अन्तर्गत गैर योजना मद में संविदा पर नियुक्त पारा मेडिकल कर्मियों (यथा- परिचारिका ग्रेड - "ए", ए0एन0एम0, फार्मासिस्ट, प्रयोगशाला प्रावैधिक) के नियमित नियुक्ति नियमावली, 2014 के गठन के संबंध में।

संचिका सं0-10/पारा मेडि0-07-07/2012-29(10)--भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक एवं नियमावली को शिथिल करने संबंधी पूर्ववर्ती बिहार सरकार के आदेश संख्या III/RI-2010/55A-11505 दिनांक 28 नवम्बर, 1956 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अधीन झारखण्ड के राज्यपाल, एतद् द्वारा स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग में सामयिक व्यवस्था के अन्तर्गत वर्ष 2004 में विभागीय संकल्प सं0 531 (4) दिनांक 21.12.04 द्वारा पारा मेडिकल कर्मियों (यथा- परिचारिका ग्रेड - "ए", ए0एन0एम0, फार्मासिस्ट, प्रयोगशाला प्रावैधिक) की संविदा पर की गई नियुक्तियों को स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग में नियमित नियुक्ति के संबंध में निम्नलिखित नियम बनाते हैं:-

(1) संक्षिप्त नाम तथा प्रारम्भ:-

(i) इन नियमों का संक्षिप्त नाम “स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग अन्तर्गत गैर योजना मद में संविदा पर नियुक्त पारा मेडिकल कर्मियों (यथा- परिचारिका ग्रेड - “ए”, ए0एन0एम0, फार्मासिस्ट, प्रयोगशाला प्रावैधिक) के नियमित नियुक्ति नियमावली 2014” होगा।

(ii) यह नियमावली ‘झारखण्ड राजपत्र’में प्रकाशन की तिथि से प्रवृत्त होगा।

(2) परिभाषाएँ:- इस नियमावली में जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, -

(क) “नियुक्ति प्राधिकारी” से अभिप्रेत है राज्य स्तरीय पदों के लिए निदेशक प्रमुख, स्वास्थ्य सेवाएँ एवं जिला स्तरीय पदों के लिए सिविल सर्जन।

(ख) “संविदा नियुक्ति” से अभिप्रेत है संविदा के आधार पर विहित शर्तों के अधीन राज्य सरकार द्वारा की गई नियुक्ति।

(ग) “संविदा सेवा” से अभिप्रेत है संविदा नियुक्ति के अन्तर्गत की गई सेवा।

(घ) “विभाग” से अभिप्रेत है झारखण्ड सरकार का स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग।

(ङ.) “राज्यपाल” से अभिप्रेत है झारखण्ड के राज्यपाल।

(च) “भर्ती नियमावली” से अभिप्रेत है स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, अन्तर्गत गैर योजना मद में संविदा पर नियुक्त पारा मेडिकल कर्मियों (यथा- परिचारिका ग्रेड - “ए”, ए0एन0एम0, फार्मासिस्ट, प्रयोगशाला प्रावैधिक) के नियमित नियुक्ति नियमावली, 2014.

(3) विस्तार तथा प्रयुक्ति:- तत्समय प्रवृत्त किन्हीं अन्य नियमों या आदेशों में अन्तर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी ये नियम विभाग में पारा मेडिकल कर्मियों (यथा- परिचारिका ग्रेड - “ए”, ए0एन0एम0, फार्मासिस्ट, प्रयोगशाला प्रावैधिक) के पदों पर की गई संविदा नियुक्ति के नियमित नियुक्ति के लिए लागू होंगे।

(4) नियमित नियुक्ति के लिए पात्रता:- पारा मेडिकल कर्मियों (यथा- परिचारिका ग्रेड - "ए", ए0एन0एम0, फार्मासिस्ट, प्रयोगशाला प्रावैधिक) के पदों पर विभाग में विभागीय संकल्प सं0 531 (4) दिनांक 21.12.2004 के आलोक में संविदा के आधार पर नियुक्त सभी कर्मी विभाग में उस पद पर, नियमित नियुक्ति के लिए पात्र होगा, यदि:-

(क) उसने इस नियमों के अधीन नियुक्ति की तिथि को पारा मेडिकल कर्मियों (यथा- परिचारिका ग्रेड - "ए", ए0एन0एम0, फार्मासिस्ट, प्रयोगशाला प्रावैधिक) के पद पर नियुक्ति नियमावली यथा झारखण्ड राज्य के नर्सिंग संवर्ग (भर्त्ती, प्रोन्नति एवं अन्य सेवा शर्त) नियमावली 2012 / झारखण्ड राज्य फार्मासिस्ट संवर्ग (भर्त्ती, प्रोन्नति एवं अन्य सेवा शर्त) नियमावली 2013 / झारखण्ड राज्य प्रयोगशाला प्रावैधिक (भर्त्ती, प्रोन्नति एवं अन्य सेवा शर्त) नियमावली 2013 / अथवा एतद् विषयक आदेश, के अधीन नियुक्ति के लिए अपेक्षित अहर्त्ता के साथ-साथ विज्ञापन के आलोक में अहर्त्ता प्राप्त कर ली हो, और

- (i) प्रयोगशाला प्रावैधिक के लिए मैट्रिक/आई0एस0 सी0 के साथ राज्य सरकार के प्रशिक्षण संस्थान यथा - आर0एम0सी0एच0, राँची / रिम्स, राँची / पी0एम0सी0एच0, पटना/पी0एच0आई0, पटना /डी0एम0सी0एच0, दरभंगा अथवा भारत सरकार से मान्यता प्राप्त किसी संस्थानों से प्रयोगशाला प्रावैधिक प्रशिक्षण उत्तीर्ण होना आवश्यक है। भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थान से जिन्होंने मेडिकल लैब टेक्निसियन का न्यूनतम एक वर्ष का प्रशिक्षण प्राप्त किया हो वे भी प्रयोगशाला प्रावैधिक पद के लिए उम्मीदवार हो सकते हैं। अगर ऐसा कोई उम्मीदवार जो झारखण्ड के निवासी हो परन्तु संविदा पर नियुक्त किये गये हों एवं राज्य के बाहर से मान्यता प्राप्त संस्थान से आवश्यक योग्यता प्राप्त किये हों वे भी नियमित नियुक्ति के पात्र हो सकते हैं।
- (ii) फार्मासिस्ट के लिए मैट्रिक/आई0एस0 सी0 के साथ राज्य सरकार के फार्मसी स्कूल, राँची/पटना से डिप्लोमा इन फार्मसी की शैक्षणिक योग्यता आवश्यक है तथा फार्मसी काउन्सिल, बिहार, पटना/भारतीय भैषज्य परिषद, नई दिल्ली एवं राज्य फार्मसी काउन्सिल से निबंधित होना आवश्यक है। इस राज्य में फार्मसी काउन्सिल के गठन के बाद पारस्परिक (रेसिप्रोकल) पंजीयन आवश्यक है।

(iii) इसी प्रकार ऐसे अनुबंधित पारा मेडिकल कर्मों जो झारखण्ड के निवासी हैं वे अगर राज्य के बाहर भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थानों से डिग्री/डिप्लोमा प्राप्त किये हों तथा जिनका निबंधन फार्मसी काउन्सिल, बिहार/झारखण्ड/भारतीय भैषज्य परिषद, नई दिल्ली एवं राज्य काउन्सिल, राज्य नर्सिंग काउन्सिल से निबंधन प्राप्त किये वे ऐसी संविदा पर नियुक्त सभी पारा मेडिकल कर्मों नियमित नियुक्ति के पात्र हो सकते हैं।

(iv) आवेदक को मेडिकली फीट होना आवश्यक है। और

(ख) उसने विभाग में कम से कम पाँच वर्ष की वास्तविक संविदा सेवा पूर्ण कर ली हो तथा वह नियमित नियुक्ति की तारीख तक निरंतर सेवा में हो।

(ग) नियमित नियुक्ति के लिए संविदा पर कार्यरत पारा मेडिकल कर्मियों (यथा- परिचारिका ग्रेड - "ए", ए0एन0एम0, फार्मासिस्ट, प्रयोगशाला प्रावैधिक) जो वांछित अहर्ता रखते हों, की अधिकतम आयुसीमा 60 वर्ष के अन्दर होगी। राज्य सरकार/संबंधित सिविल सर्जन द्वारा प्रत्येक वर्ष संविदा नवीनीकरण में जो समय लगा हो उसे सेवा में टूट नहीं माना जायेगा।

(घ) मातृत्व अवकाश की अवधि 135 दिन अथवा वर्ष 2010 से 180 दिन को सेवा में टूट नहीं माना जायेगा।

(ङ.) अगर किसी वजह से अनुबंधित पारा मेडिकल कर्मियों (यथा- परिचारिका ग्रेड - "ए", ए0एन0एम0, फार्मासिस्ट, प्रयोगशाला प्रावैधिक) हड़ताल पर गये हों तो उस अवधि को भी सेवा में टूट माना नहीं जाएगा।

(च) स्वीकृत आकस्मिक अवकाश अवधि सेवा में टूट नहीं माना जायेगा।

(5) नियमित नियुक्ति के लिए चयन सूची तैयार किया जाना:-

(i) विभाग में राज्य स्तरीय पारा मेडिकल कर्मियों (यथा- परिचारिका ग्रेड - "ए", ए0एन0एम0, फार्मासिस्ट, प्रयोगशाला प्रावैधिक) के पद पर संविदा के आधार पर नियुक्त किए गए व्यक्तियों के मामलों में इन नियमों के उपबंधों के अनुसार झारखण्ड कर्मचारी चयन आयोग, झारखण्ड, राँची एवं ए0एन0एम0 के लिए उपायुक्त की अध्यक्षता में गठित चयन समिति के द्वारा चयन सूची तैयार की जाएगी।

चयन प्रक्रिया:- चयन समिति द्वारा निम्नवत् मार्किंग सिस्टम अपनाया जायेगा:-

(a) Certificate regarding Academic Qualification - 35 Marks

Matric - 15 Marks

(1st Division) - 15

(2nd Division) - 10

(3rd Division) - 5

I.A.I.Sc.- 20 Marks

(1st Division) - 20

(2nd Division) - 15

(3rd Division) - 10

(b) Work Experience (प्रत्येक वर्ष के लिए अधिकतम 5 मार्क्स) - 35 Marks अधिकतम।

(c) Certificate regarding Technical Qualification - 20 Marks

(d) Interview - 10 Marks

Total - 100 Marks

(ii) मामलों की छानबीन करते समय व्यक्ति की उपयुक्तता का विनिश्चयन उनकी अहर्ता एवं कार्य प्रतिवेदन तथा साक्षात्कार इत्यादि के आधार पर किया जायेगा।

(iii) नियमित नियुक्ति हेतु पात्रता निर्धारित करने के लिए झारखण्ड कर्मचारी चयन आयोग, झारखण्ड, राँची एवं ए0एन0एम0 के लिए उपायुक्त की अध्यक्षता में गठित चयन समिति द्वारा नियम 5 के आधार पर अनुशंसा की जायेगी। कर्मचारी चयन आयोग, झारखण्ड, राँची एवं उपायुक्त की अध्यक्षता में गठित चयन समिति की अनुशंसा अधिकतम दो माह के अन्दर की जाएगी।

(6) वरीयता:-

(i) इन नियमों के अधीन नियुक्त व्यक्ति, उनके नियमित नियुक्ति के आदेश की तिथि से वरीयता का हकदार होगा।

(ii) इन नियमों के अधीन नियुक्त व्यक्ति को संबंधित नियुक्ति नियमों यथा झारखण्ड राज्य के नर्सिंग संवर्ग (भर्त्ती, प्रोन्नति एवं अन्य सेवा शर्त) नियमावली 2012/झारखण्ड राज्य फार्मासिस्ट संवर्ग (भर्त्ती, प्रोन्नति एवं अन्य सेवा शर्त) नियमावली 2013/झारखण्ड राज्य प्रयोगशाला प्रावैधिक (भर्त्ती, प्रोन्नति एवं अन्य सेवा शर्त) नियमावली 2013/अथवा एतद् विषयक आदेश, के अनुसार पूर्व में नियुक्त व्यक्तियों के नीचे रखा जायेगा।

(iii) एक ही तिथि को नियमित किये गये व्यक्तियों की पारस्परिक वरीयता का निर्धारण, उनकी सम्पूर्ण संविदा सेवा अवधि के आधार पर किया जायेगा।

(iv) यदि दो या अधिक व्यक्तियों के नियमित नियुक्ति की तिथि तथा संविदा सेवा की अवधि एक हो तब, उनकी पारस्परिक वरीयता का निर्धारण उनकी जन्म तिथि की वरीयता के आधार पर किया जायेगा।

(v) वरीयता के उपरोक्त सभी शर्तें समान्य रहने की स्थिति में अंग्रेजी वर्णमाला के अनुसार वरीयता का निर्धारण किया जायेगा।

(7) नियमित नियुक्ति आदेश:- नियुक्ति प्राधिकारी, चयन सूची से नियमित नियुक्तियाँ, उसी कालानुक्रम में करेगा, जिसमें उसके नाम सूची में आये हों।

(8) आरक्षण:- नियमित नियुक्ति की प्रक्रिया में राज्य सरकार द्वारा निर्धारित अद्यतन आरक्षण नियमों का पालन किया जायेगा।

(9) नियमित नियुक्ति की विधि मान्यता:- छानबीन के पश्चात् तैयार की गई चयन सूची तथा ऐसी चयन सूची से की गई नियुक्ति को, भर्त्ती नियमों के अधीन तैयार की गई चयन सूची तथा की गई नियुक्तियाँ माना जायेगा।

(10) शिथिलीकरण:- इन नियमों में किसी भी बात का यह अर्थ नहीं लगाया जाएगा कि वह किसी ऐसे व्यक्ति के मामले में, जिसपर ये नियम लागू होते हैं, राज्यपाल की ऐसी रीति में, जो उन्हें न्यायसंगत तथा साम्यपूर्ण प्रतीत हो, कार्यवाही करने की शक्ति को सीमित या कम करती है, परन्तु किसी मामले में ऐसी रीति में कार्यवाई नहीं की जायेगी, जो इन नियमों में उपबंधित रीति की अपेक्षा उसके लिए कम अनुकूल हो।

(11) स्वास्थ्य विभाग को छोड़कर किसी अन्य विभाग के लिए यह नियमावली लागू नहीं मानी जायेगी।

(12) झारखण्ड राज्य के नर्सिंग संवर्ग (भर्त्ती, प्रोन्नति एवं अन्य सेवा शर्त) नियमावली 2012/ झारखण्ड राज्य फार्मासिस्ट संवर्ग (भर्त्ती, प्रोन्नति एवं अन्य सेवा शर्त) नियमावली 2013/ झारखण्ड राज्य प्रयोगशाला प्रावैधिक (भर्त्ती, प्रोन्नति एवं अन्य सेवा शर्त) नियमावली 2013/ को इस हद तक शिथिल समझा जायेगा।

इस नियमित नियुक्ति नियमावली का प्रयोग मात्र एक बार ही होगा तथा इसे पूर्वोद्धारण नहीं माना जायेगा।

अनुसूची

संविदा के आधार पर नियुक्त कर्मियों के नियमित नियुक्ति हेतु विनिर्दिष्ट पद:-

अनुक्रमांक	पद का नाम	संविदा पर कार्यरत
1.	परिचारिका श्रेणी "ए"	95 (राज्य स्तरीय पद)
2.	फार्मासिस्ट	158 (तदैव)
3.	प्रयोगशाला प्रावैधिक	131 (तदैव)
4.	ए0एन0एम0	963 (जिला स्तरीय)

झारखण्ड राज्यपाल के आदेश से,

बी0 के0 त्रिपाठी,

सरकार के प्रधान सचिव।
